महाराष्ट्र में चीनी के कारखाने

5049. श्री दे० शि० पाटिल : क्या खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र राज्य में चीनी के कितने मिल सहकारी आधार पर चल रहे हैं ;

(ख) वर्ष 1965-66 में लाइसेंस देने के लिए राज्य सरकार ने किन-किन स्थानों की सिफारिश की है ; और

(ग) उस पर क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शिन्दे) : (क) इस समय महाराष्ट्र राज्य में 20 सहकारी शर्करा कारखाने चल रहे हैं ।

(ख) 1965-66 में महाराष्ट्र सरकार ने किसी आवेदन पत्र की सिफारिश नहीं की थी लेकिन उन्होंने निम्नलिखित स्थानों पर 20 नये सहकारी शर्करा कारखानों की स्थापना के लिये आवेदन पत्रों की पहले सिफारिश की थी :-

1. धोकी जिला ओसमानाबाद ।
2. कलमवेर, जिला नानडेड ।
3. सकरी जिला धुलिया ।
4. शिराला पेट जिला संगली ।
5. मंजारी जिला पूना ।
6. कागल जिला कोल्हापुर ।
7. नेमारी जिला कोल्हापुर ।
8. शिरोल तालुक जिला कोल्हापुर ।
9. मिल्लोड जिला औरंगाबाद ।
10. कर्डीबाड जिला बुलधाना ।
11. सिन्धखेद राजा जिला बुलधाना ।
12. श्रीगोंडा जिला अहमदनगर ।
13. किल्लारी जिला ओसमानाबाद ।
14. होत्गी जिला शोलापुर ।
15. डोंगरगड़ा जिला परभानी ।
16. बसमथनगर जिला परभानी ।
17. इस्लामपुर जिला संगली ।
18. खेदगांव जिला पूना ।
19. संगमनेर जिला अहमदनगर ।
20. मिरवाड़े जिला सतारा ।

(ग) पहले पांच मामलों के बारे में नये शर्करा कारखाने स्थापित करने के लिये 1965 और 1966 में आशय पत्र जारी किये गये हैं । क्रम संख्या 6 से 18 तक के मामलों को सम्बन्धित क्षेत्रों में गन्ने की अपर्याप्त संभाव्यता होने के कारण नये शर्करा कारखाने स्थापित करने हेतु ठीक नहीं समझा गया है । शेष दो मामले क्रम संख्या 19 और 20 विचाराधीन हैं ।

Rat Control

5050. Shri Ram Harkh Yadav: Will the Minister of **Food, Agriculture, Community Development and Co-operation** be pleased to state:

(a) whether Government have succeeded in devising a new method for rat control in a special laboratory at Kanpur; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Shyam Dhar Misra): (a) Yes.

(b) Under a Coordinated Scheme on the Study of Field Rats sponsored by the ICAR, a new method of rat control has been evolved at the laboratory of the Government Entomologist, Uttar Pradesh, Kanpur, who is the coordinator of the Scheme. By oral administration in the form of bait of one dose of certain schemesterilents, the male or female rat can be made sterile for life time. The schemosterilants concerned are Furadantin and Colchicine and the propor-